अपराधशास्त्रीय अंतर्दृष्टि द्वारा डॉ. मृदुल श्रीवास्तव

साम्राज्यों की बिसात: कर्नाटक युद्ध का रणनीतिक विश्लेषण (1749–1752)

Arcot के पतन से लेकर Syringham के आत्मसमर्पण तक—
ईस्ट इंडिया कंपनी और फ्रांसीसी साम्राज्य के बीच लड़े गए
छद्म युद्ध (Proxy War) की कहानी।

1753 के ऐतिहासिक दस्तावेज़ 'A Genuine Account of some Transactions in the East Indies' पर आधारित।

युद्ध की चिंगारी: Arcot का पतन (जुलाई 1749)

जुलाई 1749

फ्रांसीसी गवर्नर Dupleix, Chunda Saib और Muzipher Jing की संयुक्त सेना का Arcot के मैदानों पर हमला।

↓

नवाब Annaverdee-Cawn की युद्ध में हार और मृत्यु। सेना तितर-बितर।

↓

नवाब का पुत्र Mahomed Ally जान बचाकर Trichenopoly भाग गया।

Key Insight

इस एक हार ने दक्षिण भारत में शक्ति का शून्य (Power Vacuum) पैदा कर दिया, जिसने फ्रांसीसी और ब्रिटिश सेनाओं को एक खूनी छद्म युद्ध में धकेल दिया।

प्रतिद्वंद्वी गुट: मोहरे और प्यादे

ब्रिटिश और सहयोगी गुट	फ्रांसीसी और सहयोगी गुट
यूरोपीय रणनीतिकार Major Lawrence & Capt. Clive (रणनीतिकार और सैन्य कमांडर, संख्या में कम लेकिन अनुशासित)।	**यूरोपीय रणनीतिकार** Mons. Dupleix (महत्वाकांक्षी फ्रांसीसी गवर्नर, कूटनीति का माहिर) & Capt. Danteuil / Mons. Law.
स्थानीय दावेदार Mahomed Ally (Arcot का वैध उत्तराधिकारी) & Nazir Jing (शुरुआती सहयोगी, बाद में विश्वासघात का शिकार)।	**स्थानीय दावेदार** Chunda Saib (Arcot का दावेदार) & Muzipher Jing.

नियंत्रण का लक्ष्य: Arcot का सिंहासन और व्यापारिक वर्चस्व।

विश्वासघात और मध्यरात्रि का कत्लेआम (दिसंबर 1750)

3 बजे सुबह फ्रांसीसी सेना का पूर्वनियोजित हमला।

Nazir Jing का शिविर (Gingey की घेराबंदी)।

Cudapah और Cundamore के नवाबों (Nazir Jing के अपने मंत्री) की गद्दारी।

Event Description

- Nazir Jing अपनी सेना की कायरता पर क्रोधित होकर हाथी पर सवार हुए।
- विद्रोहियों ने उत्तर देने के बजाय उन पर गोली चला दी और उनका सिर धड़ से अलग कर दिया।

Outcome

परिणाम: रातों-रात Muzipher Jing को राजकुमार घोषित कर दिया गया। फ्रांसीसी गुट का पलड़ा भारी हो गया।

Dupleix का अहंकार: विजय का झूठा स्मारक

घटना (The Action):

Nazir Jing की हत्या वाली जगह पर Dupleix ने एक पूरा शहर बसाया और एक घमंडी शिलालेख स्थापित किया।

शिरालेख का संदेश: "यह शहर, जिसका नाम Dupleix है... फ्रांसीसियों द्वारा जीती गई लड़ाई की याद में स्थापित किया गया है..."

Irony

इतिहास का व्यंग्य:

यह स्मारक और शहर कभी पूरा नहीं हो सका। इसे बाद में Capt. Clive द्वारा पूरी तरह नष्ट कर दिया गया, जो फ्रांसीसी अहंकार के पतन का प्रतीक बना।

रणनीतिक चाल: Arcot पर Clive का ध्यान भटकाने वाला हमला (अगस्त 1751)

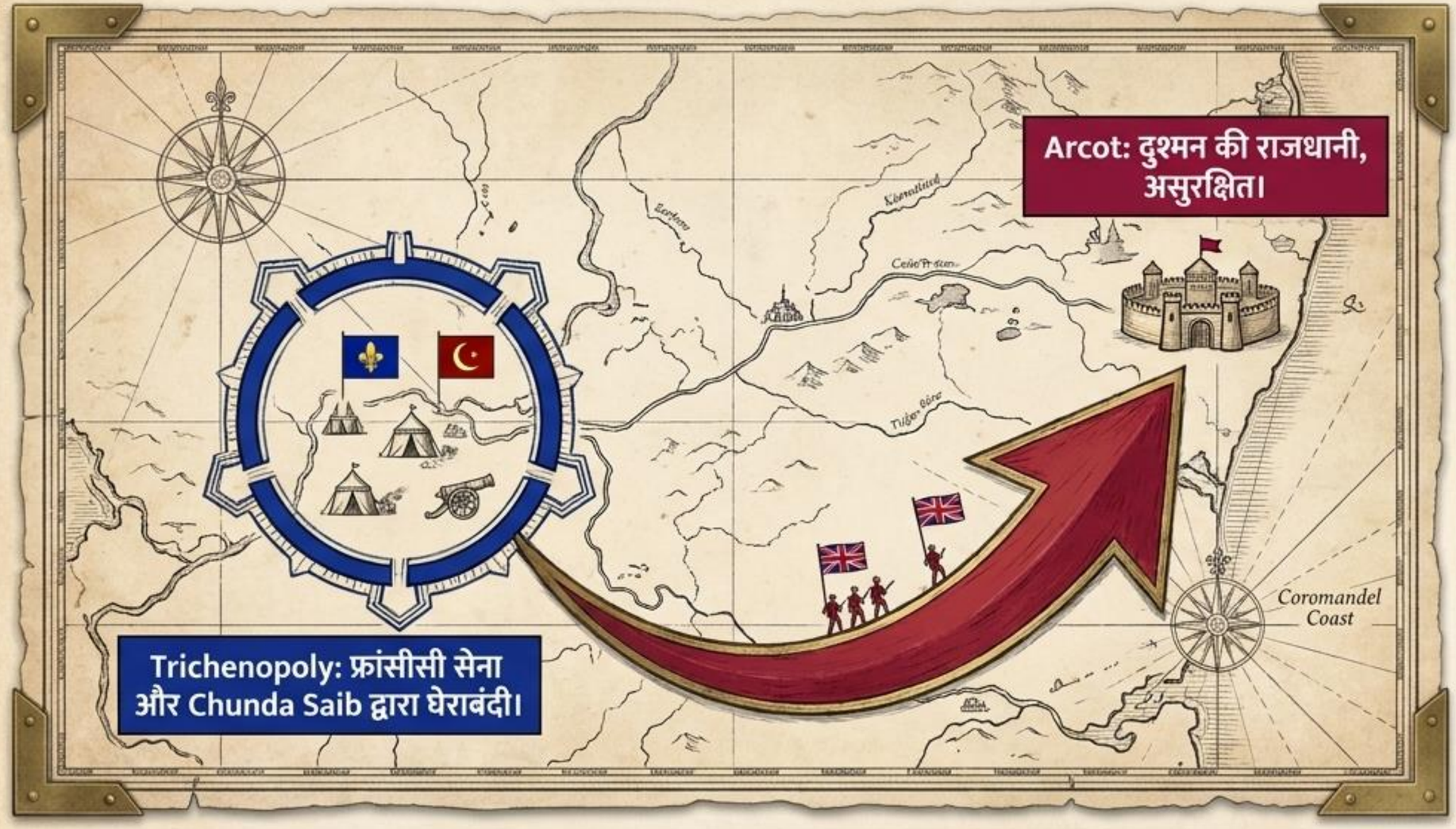

प्रमुख घटनाएँ

- 26 वर्षीय Capt. Clive (बिना वेतन के एक स्वयंसेवक) ने एक साहसिक योजना प्रस्तुत की।
- केवल 130 यूरोपीय और कुछ सैनिकों के साथ सीधे Arcot पर मार्च किया।
- बिना किसी विरोध के किले पर कब्ज़ा किया और स्थानीय जनता की संपत्ति की रक्षा कर उनका विश्वास जीता।

रणनीतिक प्रभाव (Strategic Impact): इस अप्रत्याशित चाल ने Chunda Saib को मजबूर किया कि वह Trichenopoly से अपनी सेना का एक बड़ा हिस्सा वापस Arcot भेजे, जिससे घेराबंदी कमज़ोर हो गई।

Arcot की घेराबंदी: 50 दिनों का संघर्ष

आक्रमणकारी (फ्रांसीसी और Chunda Saib की सेना)

- विशाल सैन्य बल और फ्रांसीसी तोपखाने।
- **रणनीति:** 14 जून की सुबह हाथियों के सिर पर लोहे की प्लेट बांधकर किले के दरवाज़ों को तोड़ने का प्रयास।

रक्षक (Capt. Clive)

- अत्यंत सीमित सैनिक, लेकिन बेजोड़ इंजीनियरिंग।
- **रणनीति:** 'Mask Batteries' (छिपी हुई तोपें) और खाइयों का निर्माण।

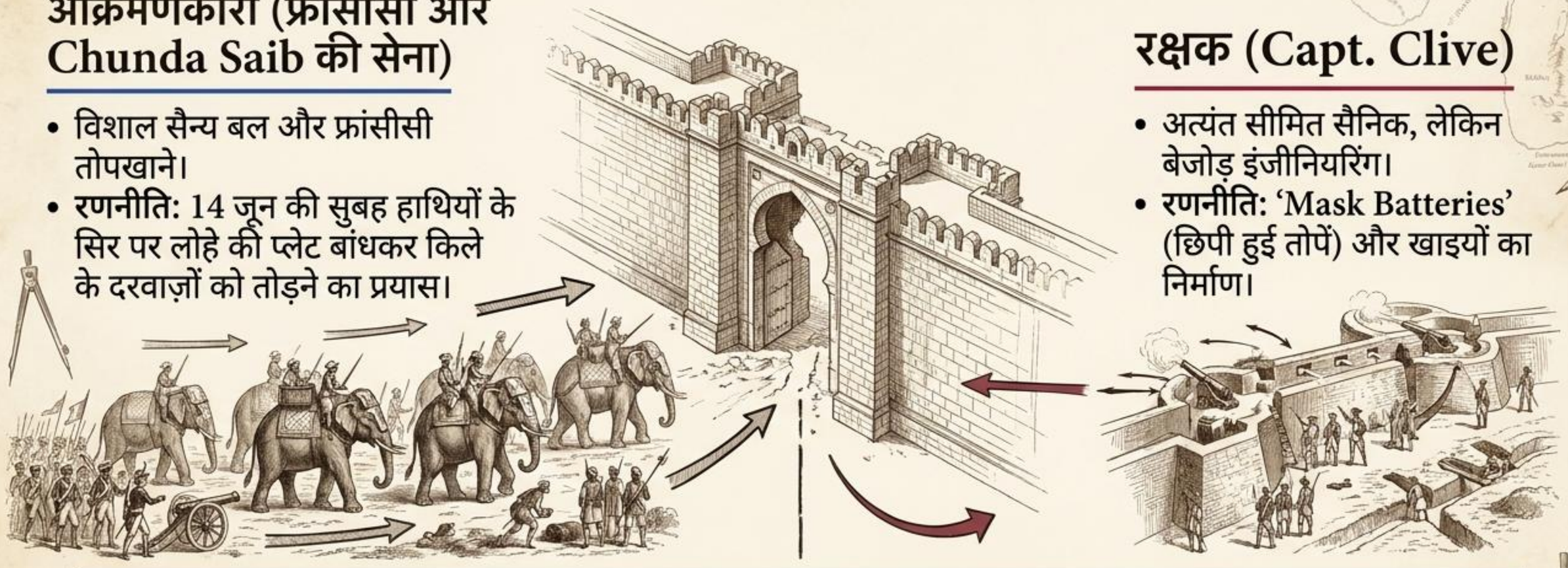

परिणाम: हाथियों ने तोप की गोलाबारी से घबराकर अपनी ही सेना को कुचल दिया। दुश्मन भारी नुकसान उठाकर पीछे हटने पर मजबूर हुआ।

Covrepauk का युद्ध: खुफिया विफलता और खाइयों की रणनीति (मार्च 1752)

घातक खुफिया विफलता

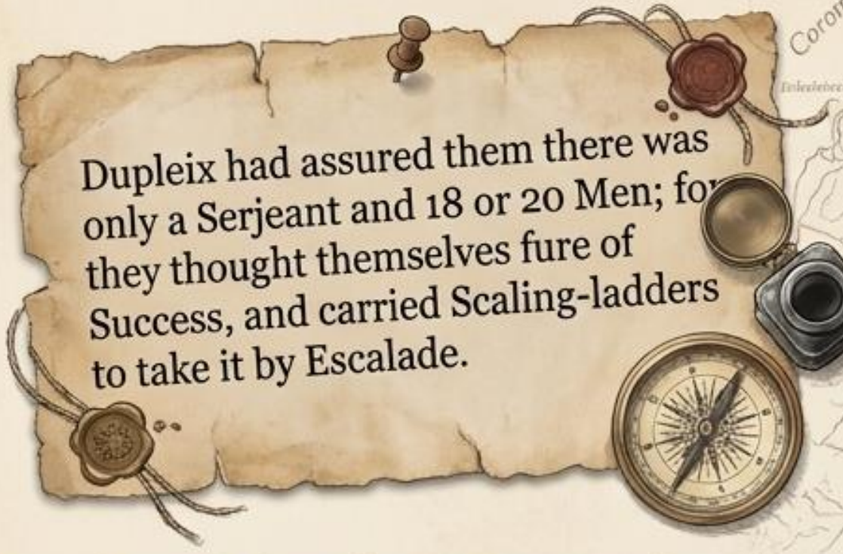

Dupleix ने अपनी सेना को झूठा आश्वासन दिया कि Clive के पास केवल 'एक सार्जेंट और 20 आदमी' हैं। इस गलत सूचना के कारण फ्रांसीसी सेना अति-आत्मविश्वास से भर गई।

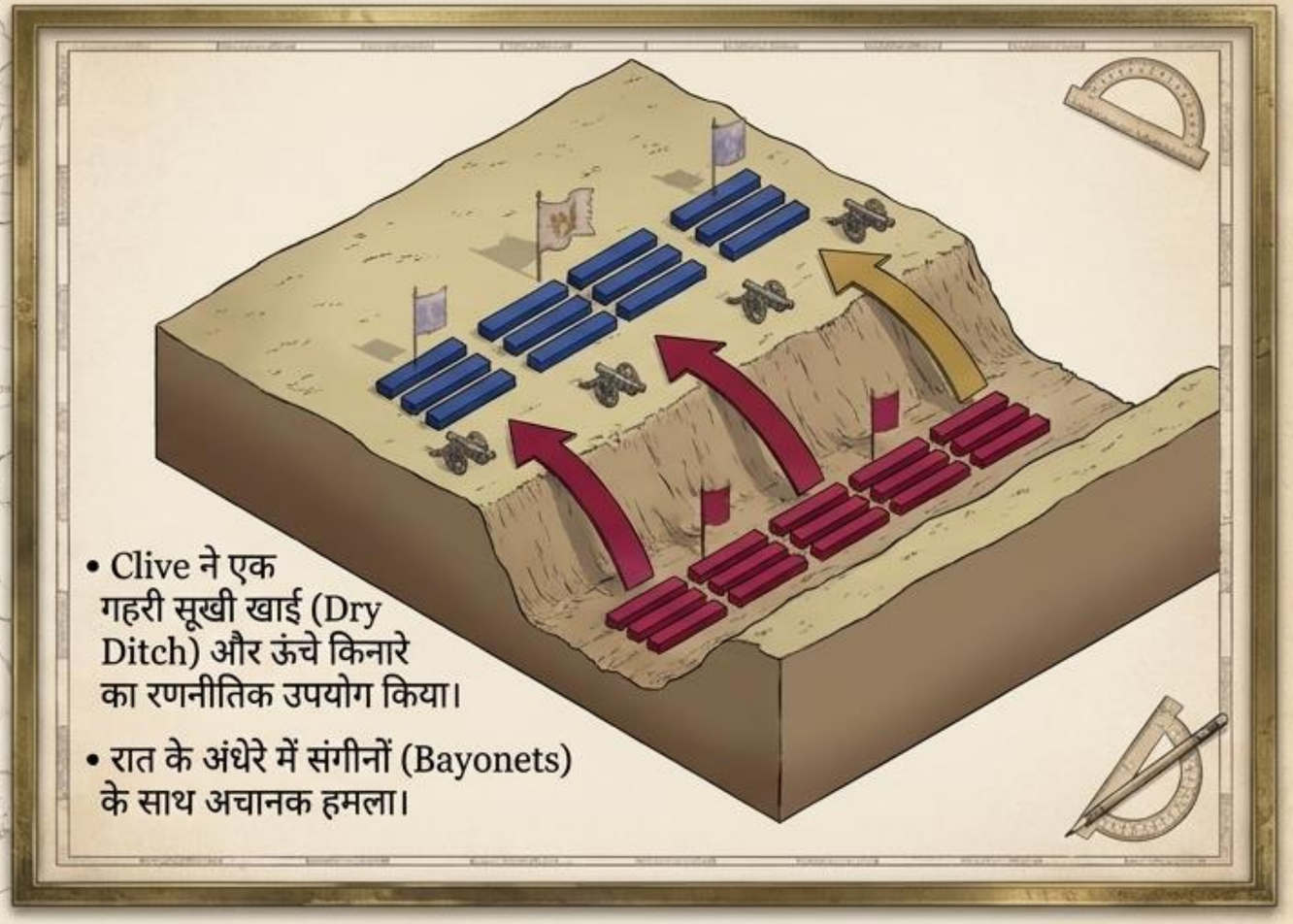

अंतिम परिणाम: फ्रांसीसी सेना को भारी नुकसान हुआ; उनके तोपखाने और 48 यूरोपीय सैनिकों को बंदी बना लिया गया। Arcot प्रांत में दुश्मन की कमर टूट गई।

अंतिम घेराबंदी: Syringham और Acheveram के पैगोडा (मई-जून 1752)

चरण 1: पीछे हटना

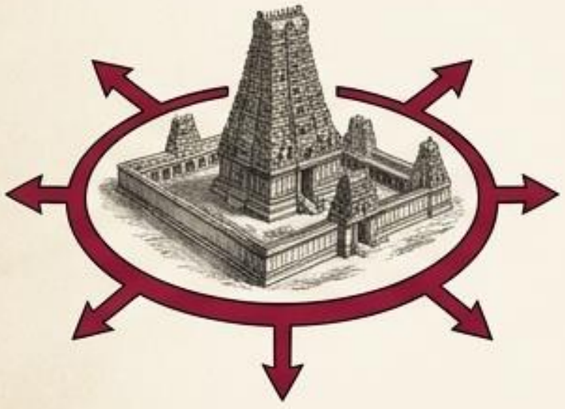

लगातार हार के बाद, फ्रांसीसी सेना और Chunda Saib Syringham के विशाल पैगोडा में छिपने को मजबूर हुए।

चरण 2: पूर्ण नाकाबंदी

Major Lawrence और Clive ने आपूर्ति के सभी रास्ते काट दिए। फ्रांसीसियों के पास केवल दो दिन का राशन बचा था।

चरण 3: राहत मार्ग का कटना

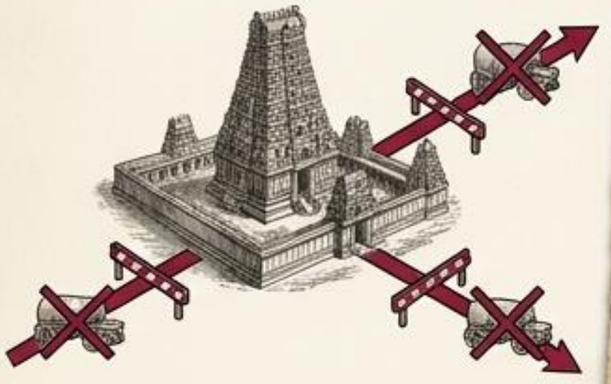

Capt. Danteuil द्वारा भेजी गई राहत सामग्री और धन को Clive ने Volconda में रोक लिया और कब्ज़ा कर लिया।

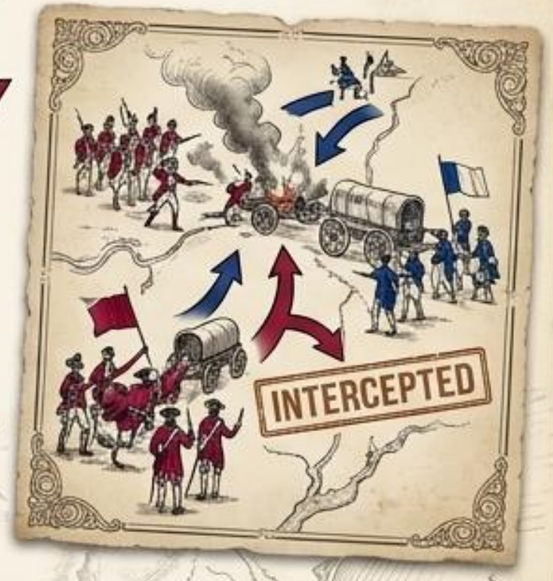

Synthesis Callout

जो फ्रांसीसी कभी Trichenopoly को भूखा मारने निकले थे, वे अब स्वयं भूख और घेराबंदी के शिकार थे।

परिणाम: महत्वाकांक्षा, विश्वासघात और विजय (1752)

Chunda Saib (दावेदार)	Muzipher & Nazir Jing (राजघराने)	Mons. Dupleix (रणनीतिकार)	Major Lawrence & Capt. Clive (विजेता)
Fate: मृत। तंजौर के राजा के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसने वादे के बावजूद उसका सिर कलम कर दिया।	Fate: मृत। दोनों ही अपनों के विश्वासघात और हत्या का शिकार हुए।	Fate: पराजित। उसका अजेय होने का भ्रम टूट गया, उसका वैनिटी शहर राख में मिला दिया गया, और उसके जनरलों ने भारी संख्या में सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया।	Fate: विजयी। एक युवा स्वयंसेवक (Clive) की रणनीतिक सूझबूझ और कड़े अनुशासन ने दक्षिण भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के वर्चस्व की नींव रखी।